श्री परशुराम आरती

www.anipdf.com

॥ प्रारंभ॥

ऊँ जय परशुधारी, स्वामी जय परशुधारी ।
सुर नर मुनिजन सेवत, श्रीपति अवतारी ॥ ऊँ जय ...

जमदग्नी सुत नरसिंह, मां रेणुका जाया ।
मार्तण्ड भृगु वंशज, त्रिभुवन यश छाया ॥ ऊँ जय ...

कांधे सूत्र जनेऊ, गल रुद्राक्ष माला ।
चरण खड़ाऊँ शोभे, तिलक त्रिपुण्ड भाला ॥ ऊँ जय ...

ताम्र श्याम घन केशा, शीश जटा बांधी ।
सुजन हेतु ऋतु मधुमय, दुष्ट दलन आंधी ॥ ऊँ जय ...

मुख रवि तेज विराजत, रक्त वर्ण नैना ।
दीन-हीन गो विप्रन, रक्षक दिन रैना ॥ ऊँ जय ...

कर शोभित बर परशु, निगमागम ज्ञाता ।
कंध चार-शर वैष्णव, ब्राह्मण कुल त्राता ॥ ऊँ जय ...

www.anipdf.com

माता पिता तुम स्वामी, मीत सखा मेरे ।
मेरी बिरत संभारो, द्वार पड़ा मैं तेरे ॥ ऊँ जय ...

अजर-अमर श्री परशुराम की, आरती जो गावे ।
पूर्णेन्दु शिव साखि, सुख सम्पति पावे ॥ ऊँ जय ...

॥ इति श्री परशुराम आरती संपूर्णम् ॥

www.anipdf.com